राजस्थान सरकार

द्वितीय अपीलीय अधिकारी एवं प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (ग्रुप–5) विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर

क्रमांक F()8/RMSC/EPM/2014/6413 दिनांक 09-09-2014

मैसर्स स्पान हैल्थ केयर प्राईवेट लिमिटेड, कोलम्बस, बैंगलोर–अपीलाण्ट

बनाम

राजस्थान चिकित्सा सेवा निगम लिमिटेड, जयपुर– रेस्पोण्डेन्ट

द्वितीय अपील संख्या 3/2014 अन्तर्गत धारा 38 (4), राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012

निर्णय दिनांक.....

1. मामले के संक्षिप्त तथ्यों के अनुसार रेस्पोण्डेन्ट संस्था निगम द्वारा औषधीय उपकरण Microprocessor controlled micro typing centrifuge machine & incubator for combos cross match, antibody screening, blood grouping and syphilis test LEA (Laboratory Equipment and Appliances) 029 खरीद हेतु एक टैण्डर क्रमांक F-8/RMSC/EPM/RC 13-14/NIT No-20/13/345 दिनांक 08.02.2013 जारी किया गया था। जिसके तहत अपीलार्थी संस्था द्वारा तथाकथित उपकरणों की आपूर्ति हेतु टेण्डर प्रस्तुत किया था। अपीलार्थी की बिड़ Responsive पाई गई और उसकी वित्तीय बिड़ भी खोली गई थी। परन्तु उसे ज्ञात हुआ कि अपीलार्थी संस्था को दिनांक 25.09.2013 को e-procurement website पर Lowest bidder (L-1) घोषित किये जाने के बावजूद रेस्पोडेण्ट निगम एक अन्य बिडर मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव संस्था से उपकरण खरीद के सम्बन्ध में अनुबन्ध कार्यवाही कर रही है। जिसके लिए R/C No. F-8 (M1/)RMSC/EPM/RC 13-14/NIT No-20/2013/1394 दिनांक 01.11.2013 पर जारी किया गया हैं इससे व्यथित होकर अपीलार्थी संस्था ने एक प्रथम अपील भी दिनांक 23.01.2014 को सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। परन्तु प्रथम अपील में द्वितीय अपील दिनांक 04.03.2014 को प्रस्तुत किये जाने तक कोई

रेस्पोन्स (उत्तर) प्राप्त नहीं हुआ। इससे व्यथित होकर अपीलार्थी संस्था ने हस्तगत अपील Rajasthan Transparency in Public Procurement Act,2012 (RTPP Act) की धारा 38 (4) के तहत प्रस्तुत की है।

2. अपील प्राप्त होने पर रेस्पोण्डेन्ट निगम को नोटिस जारी किया जाकर अपील का लिखित में जवाब प्राप्त किया गया तत्पश्चात दोनों पक्षकारों/प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दिनांक 07.07.2014 को अपील पर सुनवाई की गई।

3. अपीलार्थी की ओर से उपस्थित प्रतिनिधि श्री शिवम बत्रा को सुना गया। जिन्होने अपील के समर्थन में कमोवेश वही तर्क प्रस्तुत किये जिनको अपीलार्थी ने अपनी अपील में अंकित किया है। अपीलार्थी ने संक्षिप्त में दिनांक 16.07.2014 को लिखित तर्क भी प्रस्तुत किये जिसका भी अवलोकन कर शामिल पत्रावली किया गया। अपीलार्थी की ओर से प्रमुख रूप से यह तर्क रहे है कि:–

(i) मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव को स्पष्ट रूप से Rajasthan Transparency in Public Procurement Act (RTPP Act) की धारा 5 व नियम 5 के उल्लंधन में L-1 (Lowest) बताया जा रहा है। जबकि उक्त संस्था के दस्तावेज अधूरे हैं और उसने वित्तीय बिड़ Portable Document Format (PDF) में प्रस्तुत की है। जबकि टेण्डर कण्डीशन के अनुसार वित्तीय बिड़ Excel Sheet Format में भरी जानी थी, अतः स्वीकार्य योग्य नहीं थी। यही कारण है कि e-procurement portal पर अपीलार्थी संस्था को दिनांक 25.9.2013 को L-1(Lowest) घोषित किया गया था।

(ii) उनका यह भी तर्क रहा है कि अपीलार्थी संस्था ने उपकरण की कीमत के साथ 5 वर्ष के लिए Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) कीमत 5,05,730.24 रूपये प्रस्तुत की थी जबकि विपक्षी संस्था मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव ने इसकी कीमत 6,04,020 रूपये प्रस्तुत की है जिसमें लगभग एक लाख का फर्क है। इस प्रकार प्रार्थी द्वारा निम्नतम कीमत की वित्तीय बिड़ होने के बावजूद टैण्डर कण्डीशन की गलत व्याख्या कर Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) की रेट को औसत प्रतिवर्ष के आधार पर मानकर उपकरण की कीमत में जोडा गया है। जो दूषित परिणाम (absurd result) का परिचायक है। जैसा कि Rajasthan Transparency in Public Procurement (RTPP) नियम 29 (2) (d) में वर्णित है।

(iii) उनका यह भी तर्क रहा है कि टैण्डर की शर्तो के अनुसार बिडर से कन्जुमेबल्स (Consumables) की कीमत भी मांगी गई थी। परन्तु विपक्षी संस्था द्वारा इनकी कीमत टैण्डर के साथ प्रस्तुत नहीं की गई थी। इसलिए उसकी बिड़ पूर्णतया निरस्त किये जाने योग्य थी। फिर भी अपूर्ण बिड़ के आधार पर विपक्षी संस्था को ठेका दिया जाना

पूर्णतया वित्तीय बिड़ के प्रावधानों के उल्लंघन में है जैसा कि संलग्न–D के नोट में प्रावधानित हैं।

(iv) उनका यह भी तर्क रहा है कि धारा 40 (3) Rajasthan Transparency in Public Procurement Act (RTPP Act) के अनुसार award की प्रति सभी बिड़र को दी जानी चाहिए परन्तु रेस्पोण्डेन्ट निगम ने ऐसा नहीं किया।

रेस्पोण्डेन्ट निगम की ओर से Executive Director, Equipment Procurement Maintenance (ED, EPM) को सुना गया। उनका कथन है कि अपीलार्थी संस्था द्वारा उठाये गये तर्को का लिखित में विस्तृत जवाब में स्पष्ट वर्णन है। उनकी प्राथमिक तौर पर आपत्ति है कि अपीलार्थी ने प्रथम अपील सीमा अवधि में नहीं की है। इसलिए द्वितीय अपील को ग्रहण नहीं किया जा सकता। अपील इसी आधार पर सरसरी तौर पर खारिज किये जाने योग्य है। उनका यह भी तर्क रहा है कि अपील में विपक्षी संस्था मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव आवश्यक पक्षकार है जिसे भी पक्षकार नहीं बनाया गया है। इसलिए प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के अनुसार आवश्यक पक्षकार की अनुपस्थिति में भी अपील खारिज किये जाने योग्य है। ED (EPM) द्वारा अपीलार्थी के क्रमवार तर्को के बारे में कथन रहा है कि:–

(i) मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव द्वारा अपनी वित्तीय निविदा Portable Document Format (PDF) में प्रस्तुत की है, जिसे कम्प्यूटर द्वारा ग्रहण भी किया गया है। यदि PDF में वित्तीय बिड़ अनुज्ञेय नहीं होती तो कम्प्यूटर द्वारा ग्रहण नहीं किया गया होता। इसलिए कम्प्यूटर द्वारा लिये गये प्रसंज्ञान को अस्वीकार किये जाने का कोई कारण नहीं था। वस्तुतः e-portal द्वारा excel, Portable Document Format (PDF) से गणना के लिए consider नहीं किया और केवल अपीलार्थी संस्था के ही आंकडे होने के कारण उसे गलत प्रकार से e-portal पर L-1 (Lowest) प्रदर्शित किया। इस कारण ही अपीलार्थी की समझ में गलतफहमी पैदा हुई है।

(ii) ED (EPM) का तर्क है कि फर्म से उपकरण की बेसिक रेट तथा 5 वर्षो की Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) दरें ली गई है। निविदा शर्त संख्या 14 (xii) में प्रतिवर्ष के औसत रेट को उपकरण की कीमत में जोड़कर Lowest Bidder (L-1) निर्धारण का प्रावधान है। इस प्रकार Lowest Bidder (L-1) निर्धारण में निविदा शर्तो का पूर्णरूपेण पालन किया गया है। वस्तुतः अपीलार्थी के उपकरण की कीमत भी अत्यधिक पाई गई है।

(iii) उनका यह तर्क भी रहा है कि Lowest Bidder (L-1) निर्धारण हेतु कन्जूमेबल्स की कीमतें निविदा शर्तो के अनुसार पूर्व शर्त (Pre-condition) नहीं थी, तथा बोली मूल्यांकन समिति को Rajasthan Transparency in Public Procurement Rules, 2013 (RTPPR,

2013) के नियम 60, 61 के तहत किसी भी निविदादाता से किसी भी प्रकार का दस्तावेज या सूचना या स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त है। कन्जूमेबल्स की कीमतें प्राप्त करने का एकमात्र उद्देश्य भविष्य में आने वाले खर्चे की जानकारी प्राप्त करना होता है ताकि सफल निविदादाता अधिनायक रूप से कन्जूमेबल्स की कीमतों के जरिये अनावश्यक वसूली न कर सकें। यद्यपि कन्जूमेबल्स को सफल निविदादाता से खरीदने की बाध्यता इस निविदा में नहीं रखी गई है। इसलिए कन्जूमेबल्स की कीमतें बाद में प्राप्त किये जाने से निविदा में सारवान विचलन नहीं हुआ है। कन्जूमेबल एवं Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) की औसत वार्षिक रेट के सम्बन्ध में न तो अपीलार्थी ने प्रीबिड़ मीटिंग में आपत्ति दर्ज कराई और न ही उपस्थित हुआ। वस्तुतः कन्जूमेबल्स की कीमतें Lowest Bidder (L-1) निर्धारण में Consider भी नहीं की जाती है। इसलिए सारवान नहीं है।

(iv) उनका यह भी कथन रहा है कि अवार्ड की सूचना का आशय Lowest Bidder (L-1) निर्धारण से है। जिसकी सूचना उपापन संस्था द्वारा ई–पोर्टल, RAJASTHAN MEDICAL SERVICES CORPORATION वेबसाइट एवं Rajasthan State Public Procurement Portal पर डालकर प्रकाशित कर दी जाती है, जहाँ से यह सूचना प्रत्येक निविदादाता द्वारा प्राप्त कर ली जाती है। इस प्रकार अपीलार्थी का इस सम्बन्ध में तर्क नितान्त मिथ्या एवं भ्रामक है।

(v) उपरोक्त के अतिरिक्त ED (EPM) का कथन रहा है कि हमारे यहाँ पर सभी टैण्डर प्रक्रियाएँ ट्रान्सपेरेन्ट है और निगम की वेबसाईट पर सभी सूचनाएँ उपलब्ध रहती है। जो अपीलार्थी की हमेशा पहुँच में रही है। अपीलार्थी ने Rate Contract (RC) होने के बाद ज्ञापन दिये है जिनका उचित समय पर उत्तर भी दिया है जबकि कन्जूमेबल एवं Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) की औसत वार्षिक रेट के सम्बन्ध में न तो अपीलार्थी ने प्रीबिड़ मीटिंग में आपत्ति दर्ज कराई और न ही उपस्थित हुआ। अपीलार्थी ने अपील महज टैण्डर प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न करने के लिए प्रस्तुत की है और अपील को मय खर्चा खारिज करने की निवेदन किया है।

4. हमने उभय पक्षों के तर्क वितर्को पर मनन किया एवं दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया। यह स्वीकृत तथ्य है कि अपीलार्थी ने Executive Director, Equipment Procurement Maintenance (ED, EPM) के आदेश दिनांक 01.11.2013 के विरूद्ध प्रथम अपील दिनांक 23.01.2014 को प्रस्तुत की है। जबकि धारा 38 (1) के तहत प्रथम अपील 10 दिन के भीतर की जानी चाहिए थी। इस प्रकार प्रथम अपील ही सीमा अवधि से बाधित कही जा सकती है। जहां तक विपक्षी संस्था मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव द्वारा अपनी वित्तीय निविदा Portable Document Format (PDF)

में प्रस्तुत करने का प्रश्न है, इसे कम्प्यूटर द्वारा ग्रहण किया गया हैं। इसलिए नकारने का प्रश्न पैदा नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है कि e-portal द्वारा excel, Portable Document Format (PDF) से गणना के लिए consider नहीं किया और केवल अपीलार्थी संस्था के ही आंकडे होने के कारण उसे गलत प्रकार से e-portal पर L-1 (Lowest) प्रदर्शित किया। इस कारण से रेस्पोण्डेन्ट के आदेश को दूषित नहीं माना जा सकता।
वस्तुतः इस निविदा प्रक्रिया में विपक्षी संस्था मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव द्वारा Bill of Quantity (BOQ) में ही वित्तीय बिड़ प्रस्तुत की है, जो e-portal system द्वारा स्वीकार भी की गई है। ऐसी स्थिति में e-portal system द्वारा लिये गये प्रसंज्ञान को निगम द्वारा अस्वीकार किया जाना संभव नहीं था। अतएव कहा जा सकता है कि निगम द्वारा Rajasthan Transparency in Public Procurement Act (RTPP Act) प्रक्रिया का पूर्ण पालन किया गया है।

अपीलार्थी का यह तर्क कि उपकरण की दरों में Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) की 5 वर्ष की दरों को जोड़कर निर्धारण किया जावे, यह तर्क सही प्रतीत नहीं होता। फर्म से उपकरण की बेसिक रेट तथा 5 वर्षो की Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) दरें ली गई है। निविदा शर्त संख्या 14 (xii) में प्रतिवर्ष के औसत रेट को उपकरण की कीमत में जोड़कर Lowest Bidder (L-1) निर्धारण का प्रावधान है। निविदा शर्त संख्या 14 (xii) में स्पष्ट अंकित किया गया है कि **"For comparison of rates the average comprehensive annual maintenance charges per year shall be added to the net rate of equipments, if CAM (comprehensive annual maintenance) is applicable.**

अतःएव उपरोक्त प्रावधान से स्पष्ट है कि L-1 (Lowest) निर्धारण में Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) की दरों का प्रतिवर्ष औसत ही उपकरण की कीमतों में जोड़कर किये जाने में कोई Ambiguity नहीं है। और निगम द्वारा की गई गणना सही प्रतीत होती है।
जहां तक अपील के आधार संख्या 49 से 54 में वर्णित कि विपक्षी पक्षकार M/s बायोरेड लेबोरेट्रीज इण्डिया प्रा.लि. गुड़गाँव द्वारा consumables की दरें निविदा के साथ प्रस्तुत नहीं की है, के सम्बन्ध में निविदा शर्तो के पठन से साफ प्रकट है कि consumables की दरें L-1 (Lowest) निर्धारण के लिए न तो pre condition थी और न ही L-1 (Lowest) निर्धारण में Consider की जाती है। यह दरें केवल उपकरण के संचालन के लिए भविष्य में होने वाले खर्चे के आंकलन के लिए ही ली जाती है और उपकरण को उपयोग में लेने वाले विभाग इन वस्तुओं को खुले बाजार से भी खरीदने के लिए स्वतन्त्र रहते है।

यह उल्लेखनीय है कि RTPP (Rajasthan Transparency in Public Procurement) Rules, 2013 के नियम 60, 61 (2) के अनुसार क्रय समिति किसी भी प्रकार की पूरक

सूचना लिखित में किसी भी बिडर से प्राप्त करने के लिए सक्षम हैं। जिसके अनुसार ही विपक्षी संस्था मैसर्स बायो रेड लेबोरेट्रीज ईण्डिया प्राईवेट लिमिटेड गुड़गाँव ने consumables की Rates प्रस्तुत की है चूंकि consumables की दरों का दर संविदा में अनुमोदन करने हेतु शामिल नहीं किया जाता है तथा दरें परीक्षण एवं सूचना हेतु प्राप्त की जाती है, जिससे निविदा में तात्विक विचलन (Material deviation) का होना भी प्रकट नहीं होता।

अतः कहा जा सकता है कि निगम द्वारा टेण्डर की शर्तो एवं संविदा अधिनियम की रोशनी में समुचित प्रकार से Rajasthan Transparency in Public Procurement Act (RTPP Act), 2012 की पालना की जाकर निविदा का निष्पादन किया गया है। ऐसी स्थिति में उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अपीलार्थी की द्वितीय अपील को स्वीकार किये जाने के कोई उचित आधार प्रकट नहीं होते है।

आदेश

अतः उपरोक्त विवेचन के अनुसार तथ्यों एवं विधि की रोशनी में अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत द्वितीय अपील सारहीन होने के कारण निरस्त की जाती है। आदेश की प्रति पक्षकारों को प्रेषित कर निर्णय से अवगत कराया जावे। निर्णय की प्रति उपापन पोर्टल पर भी दर्शित की जावे। पत्रावली निर्णीत मानी जाकर कार्यालय रिकॉर्ड में संकलित की जावे।

9/2014

(दीपक उप्रेती, आई.ए.एस.)
द्वितीय अपीलीय प्राधिकारी,
एवं प्रमुख शासन सचिव
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग

From ED EPM RMSC <edepmrmsc-rj@nic.in>
Sent Wednesday, September 10, 2014 2:21 am
To hitesh_mehta@spanhealth.com , mumbai@spanhealth.com
Subject Fwd: Results
Attachments nirnay.pdf 273K

Please find the enclosure

----- Original Message -----
From ED EPM RMSC <edepmrmsc-rj@nic.in>
Date Wed, 10 Sep 2014 00:32:33 -0700
To customercare@spanhealth.com
Subject Results

Please get the attachment